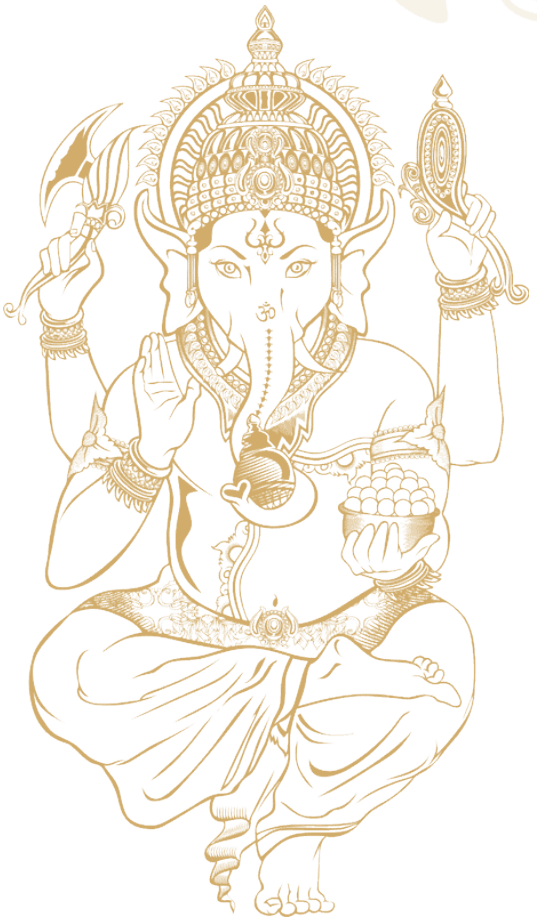

Ms.

Mr.

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120737003

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
28/12/2025	जन्म तिथि	28/12/2025
रविवार	दिन	रविवार
घंटे 16:29:00	जन्म समय	16:29:00 घंटे
घटी 23:10:00	जन्म समय(घटी)	23:10:00 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:13:00	सूर्योदय	07:13:00
17:32:43	सूर्यास्त	17:32:43
24:13:18	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:18

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 11वर्ष 3मा 18दि	29:05:57	वृष	लग्न	वृष	29:05:57	बुध 11वर्ष 3मा 18दि
बुध	12:44:17	धनु	सूर्य	धनु	12:44:17	बुध
28/12/2025	21:08:09	मीन	चंद्र	मीन	21:08:09	28/12/2025
17/04/2037	15:45:23	धनु	मंगल	धनु	15:45:23	17/04/2037
00/00/0000	29:03:52	वृश्चि	बुध	वृश्चि	29:03:52	00/00/0000
28/12/2025	27:35:32	मिथु व	गुरु व	मिथु	27:35:32	28/12/2025
शुक्र 12/07/2026	10:31:39	धनु	शुक्र	धनु	10:31:39	शुक्र 12/07/2026
सूर्य 18/05/2027	01:44:56	मीन	शनि	मीन	01:44:56	सूर्य 18/05/2027
चन्द्र 17/10/2028	17:02:16	कुंभ व	राहु व	कुंभ	17:02:16	चन्द्र 17/10/2028
मंगल 14/10/2029	17:02:16	सिंह व	केतु व	सिंह	17:02:16	मंगल 14/10/2029
राहु 02/05/2032	03:49:45	वृष व	हर्ष व	वृष	03:49:45	राहु 02/05/2032
गुरु 08/08/2034	05:14:41	मीन	नेप	मीन	05:14:41	गुरु 08/08/2034
शनि 17/04/2037	08:23:29	मक	प्लूटो	मक	08:23:29	शनि 17/04/2037

लग्न-चलित

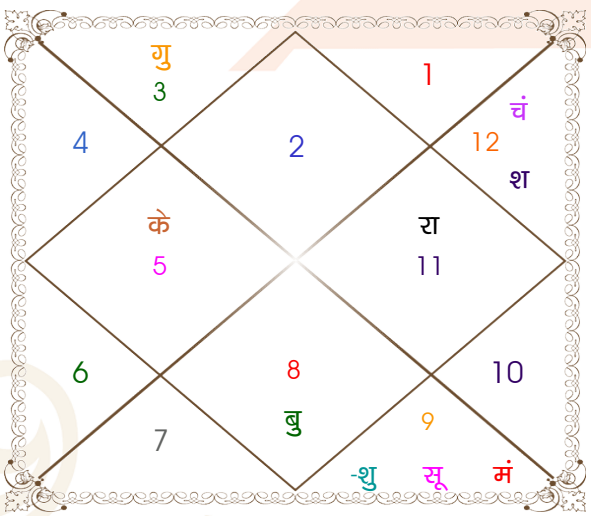

लग्न-चलित

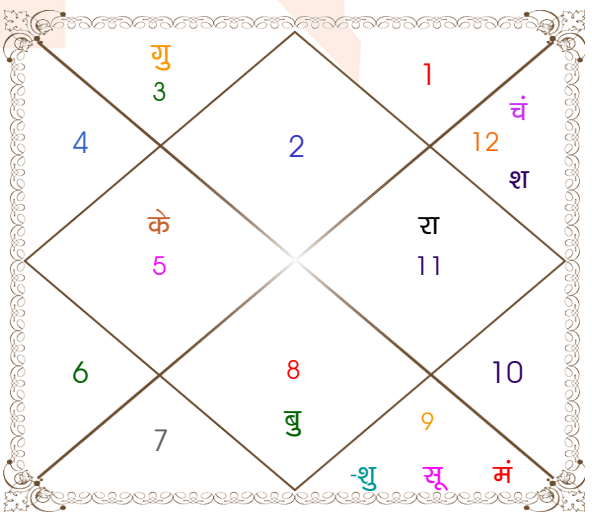

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	जलचर	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	गज	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मीन	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	अन्त्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Ms. का नक्षत्र रेवती है।

नाड़ी दोष कष्टदायक नहीं है क्योंकि Mr. का नक्षत्र रेवती है।

Ms. का वर्ग सर्प है तथा Mr. का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ms. और Mr. का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Ms. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

Mr. मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Ms. कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Ms. तथा Mr. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।